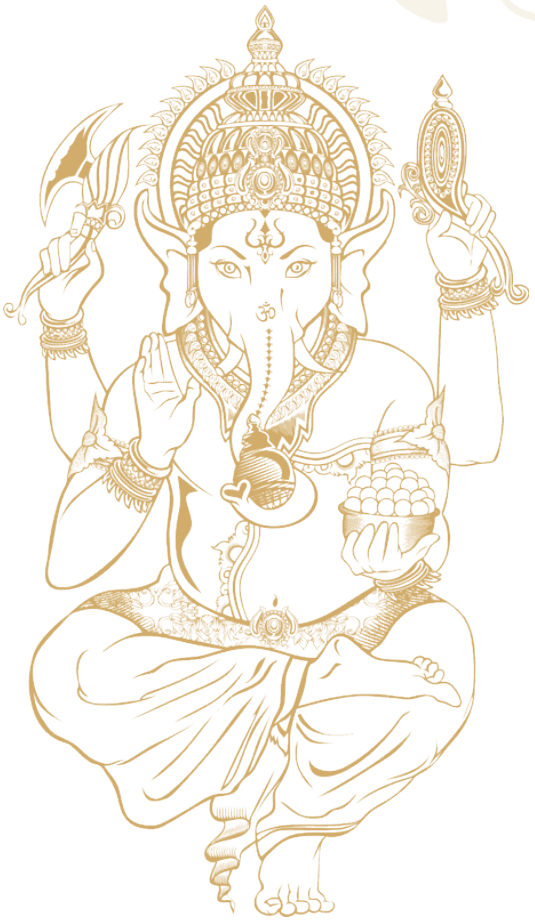

09 Feb 2026

01:42 PM

Jammu

Model: web-freekundliweb

Order No: 121245904

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**09/02/2026**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**13:42:00 घंटे**
इष्ट	15:59:56 घटी
स्थान	**Jammu**
राज्य	Jammu and Kashmi
देश	India

अक्षांश	32:00:00 उत्तर
रेखांश	75:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:30:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	13:12:00 घंटे
वेलान्तर	-00:14:12 घंटे
साम्पातिक काल	22:29:45 घंटे
सूर्योदय	07:18:01 घंटे
सूर्यास्त	18:10:48 घंटे
दिनमान	10:52:47 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	26:21:20 मकर
लग्न के अंश	29:23:04 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 2**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	वृद्धि
करण	बालव
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	तू-तुष्टि
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	29:23:04	343:19:22	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	---
सूर्य			मक	26:21:20	01:00:45	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			तुला	24:18:21	11:55:11	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	सम राशि
मंगल		अ	मक	19:02:41	00:47:08	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	उच्च राशि
बुध			कुंभ	09:56:01	01:42:55	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	सम राशि
गुरु	व		मिथु	22:17:03	00:05:32	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	04:24:48	01:15:11	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
शनि			मीन	05:16:17	00:06:22	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
राहु			कुंभ	14:54:40	00:00:11	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु			सिंह	14:54:40	00:00:11	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:14:54	00:00:17	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	06:09:35	00:01:51	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:44:06	00:01:51	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			कुंभ	11:24:53	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:25

लग्न-चलित

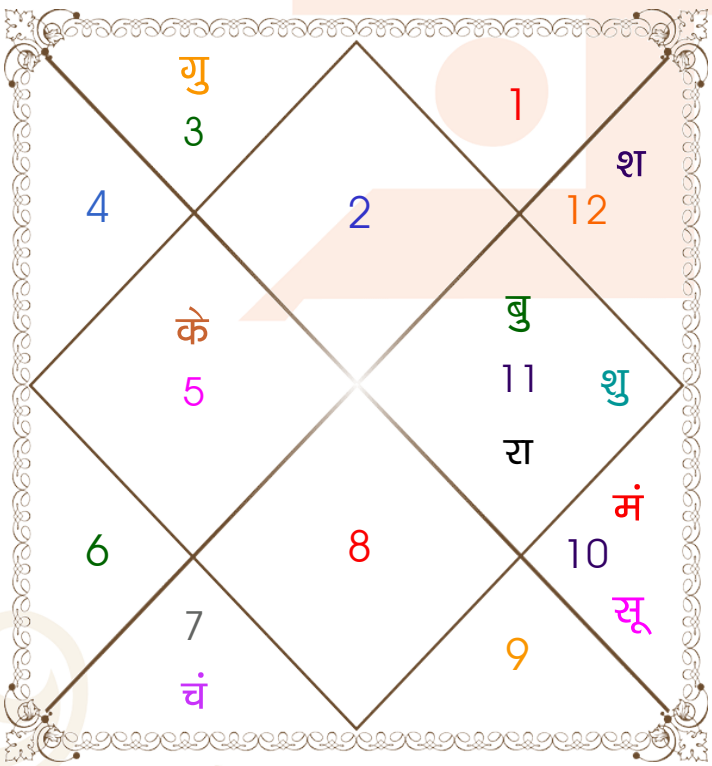

चन्द्र कुंडली

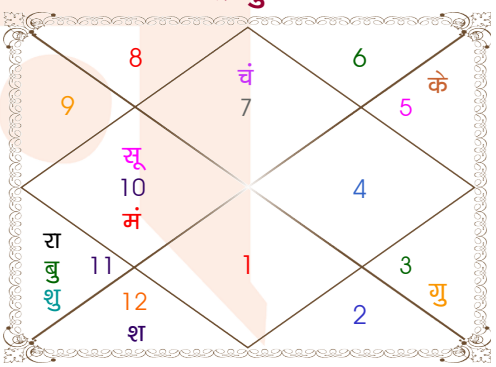

नवमांश कुंडली

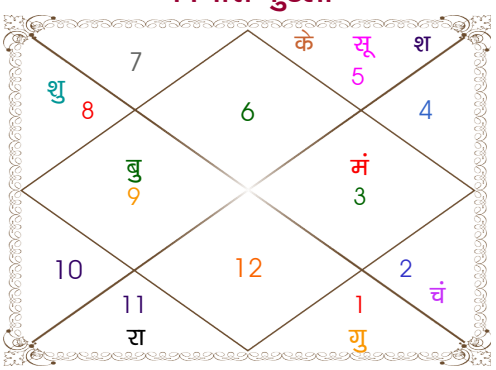

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 10 वर्ष 9 मास 30 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
09/02/2026		10/12/2036		11/12/2055		10/12/2072		11/12/2079	
10/12/2036		11/12/2055		10/12/2072		11/12/2079		11/12/2099	
	00/00/0000	शनि	14/12/2039	बुध	08/05/2058	केतु	08/05/2073	शुक्र	11/04/2083
	09/02/2026	बुध	23/08/2042	केतु	05/05/2059	शुक्र	08/07/2074	सूर्य	10/04/2084
बुध	16/11/2027	केतु	02/10/2043	शुक्र	05/03/2062	सूर्य	13/11/2074	चंद्र	10/12/2085
केतु	22/10/2028	शुक्र	01/12/2046	सूर्य	10/01/2063	चंद्र	14/06/2075	मंगल	09/02/2087
शुक्र	23/06/2031	सूर्य	13/11/2047	चंद्र	10/06/2064	मंगल	10/11/2075	राहु	09/02/2090
सूर्य	10/04/2032	चंद्र	14/06/2049	मंगल	07/06/2065	राहु	28/11/2076	गुरु	10/10/2092
चंद्र	10/08/2033	मंगल	23/07/2050	राहु	26/12/2067	गुरु	04/11/2077	शनि	11/12/2095
मंगल	17/07/2034	राहु	29/05/2053	गुरु	02/04/2070	शनि	13/12/2078	बुध	11/10/2098
राहु	10/12/2036	गुरु	11/12/2055	शनि	10/12/2072	बुध	11/12/2079	केतु	11/12/2099

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
11/12/2099		11/12/2105		12/12/2115		11/12/2122		11/12/2140	
11/12/2105		12/12/2115		11/12/2122		11/12/2140		00/00/0000	
सूर्य	30/03/2100	चंद्र	12/10/2106	मंगल	09/05/2116	राहु	24/08/2125	गुरु	29/01/2143
चंद्र	29/09/2100	मंगल	13/05/2107	राहु	27/05/2117	गुरु	17/01/2128	शनि	11/08/2145
मंगल	04/02/2101	राहु	10/11/2108	गुरु	03/05/2118	शनि	23/11/2130	बुध	10/02/2146
राहु	29/12/2101	गुरु	12/03/2110	शनि	12/06/2119	बुध	12/06/2133		00/00/0000
गुरु	18/10/2102	शनि	12/10/2111	बुध	08/06/2120	केतु	30/06/2134		00/00/0000
शनि	30/09/2103	बुध	12/03/2113	केतु	04/11/2120	शुक्र	30/06/2137		00/00/0000
बुध	05/08/2104	केतु	11/10/2113	शुक्र	04/01/2122	सूर्य	24/05/2138		00/00/0000
केतु	11/12/2104	शुक्र	12/06/2115	सूर्य	12/05/2122	चंद्र	23/11/2139		00/00/0000
शुक्र	11/12/2105	सूर्य	12/12/2115	चंद्र	11/12/2122	मंगल	11/12/2140		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 10 वर्ष 10 मा 5 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के द्वितीय चरण में वृष लग्नोदय काल में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कन्या नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण उदित था। फलस्वरूप इस बात का द्योतक है कि आप (जन्मकाल) बाल्यावस्था से ही निश्चित रूप से सुखी, सुलभ, स्नेहयुक्त एवं आनंन्दित जीवन व्यतीत करेंगी। आप सदैव ही पुरुष तथा धन से युक्त रहकर आनंद प्राप्त करेंगी।

आप सफलता प्राप्ति हेतु अंतिम क्षण तक सत्प्रयास करते रहेंगी मुख्यतः आप जीवन के 28 वें वर्ष के पश्चात् अपने परिश्रम को साकार कर लेंगी।

यद्यपि आप सहज स्वभाव की प्राणी हैं। आप में कुछ मुख्य गुण है कि आप प्रशंसनीय महिला हैं। आप उतावला होकर शीघ्रता पूर्वक कोई भी निर्णय नहीं लेतीं बल्कि शांत चित्त हो खूब सोच विचार करने के पश्चात् अपने विवेक से दूसरा कदम उठाती हैं।

आप अपनी योजना को तुलनात्मक ढंग से विभिन्न प्रकारेण अनुकूलता एवं प्रतिकूलता के संबंध में विस्तारपूर्वक अध्ययनकर कार्यरूप देती हैं। इसके पश्चात् अपनी आंकाक्षा को एकाग्रचित होकर संबंधित प्रस्ताव को समर्पित करती हैं। परंतु आप यदा-कदा स्वभाव से प्रीतिपूर्वक व्यवहार करती है जो आपके लिए बोझ-स्वरूप दबाव पूर्ण हो सकता है। इसलिए आपको एक बार ऐसा विचार करना चाहिए कि अपनी बुनियादी गुण को त्याग कर ही अपने विषयक कार्य को सफलता के द्वार तक पहुंचा सकती हैं।

आपको शारीरिक सुख भोग के लिए सतत कठिन परिश्रम करके ही पुरस्कार स्वरूप धन, संपत्ति प्रतिष्ठा एवं आरामदायक जीवन व्यतीत करने का सौभाग्य प्राप्त होगा। आप एक बार प्रगति के पथ पर अग्रसर हुई तों आपकी अपेक्षित धन संचय की लालशा पूरी हो जाएगी तथा बहुत अधिक धन संचय कर लेंगी। क्योंकि आप महान कृपण हैं अतः जीवन पर्यंत धन संपत्ति संचय करती रहेंगी।

आपको बहुत धनोपार्जन हेतु सुदंर एवं अनुकूल व्यवसाय आरामदायक वस्तुओं का व्यवसाय कृषि उपस्करों का व्यवसाय, वित्तीय (लेन-देन) दलाली का व्यवसाय, कलात्मक वस्तुओं का व्यवसाय, रत्नादि एवं ट्रांसपोर्ट (मालवाहक) संबंधी कार्यों के द्वारा अतिरिक्त धन उपार्जन कर सकेंगी।

आप सदैव ही विपरीत योनि के साथ आंख मिलाते रहना चाहती हैं। आप सदैव कामुकता पूर्ण आनंद प्राप्त करना पसंद करती हैं। अंततः आपकी महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील जनेन्द्रीय को क्षति होने की आशंका है। अस्तु उत्तम यह है कि आप इस प्रवृत्ति का त्याग कर दें।

आप निरंतर सुखद एवं शांतिपूर्ण घरेलू जीवन व्यतीत करेंगी। यह संभाव्य है कि आप मुख्यतया अपना सर्वोत्कृष्ट जीवन साथी बनाएंगी।

वृष राशीय जातक को निर्देश है कि आप अपने पति अथवा मित्रता के लिए

उपयुक्त राशि कन्या, मकर, मीन एवं वृश्चिक राशि के जातक अनुकूल हैं। इन राशियों का योग मानवीय एवं आनंददायक होगा। आप सदैव ही अपने पारिवारिक प्रसन्नता हेतु बहुत कुछ करती रहती हैं। आप वांछनीय एवं स्वस्थ्य जीवन के लिए सभी वांछित वस्तुओं की व्यवस्था एवं समर्पण करती हैं।

यद्यपि आप विस्तृत सम्पत्ति की स्वामी होंगी। आप शांतचित्त हृष्ट-पुष्ट शरीर से युक्त, संवेदनशील एवं जीवन में कुछ समय के बाद हल्के रोगों की आशंका है। आप गले के संक्रमण, कफ एवं शीत प्रभाव से शरीर में फोड़ा-फुंसी, दाद खुजली एवं शारीरकि पीड़ा से पीड़ित रहेंगी। अस्तु समय-समय पर अपने पारिवारिक चिकित्सक से संबंधित रह कर, इन रोगों के प्रति सतर्क रहें।

सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए अंक 2 एवं 8 अंक अनुकूल और महत्वपूर्ण है। परंतु अंक 5 आपके लिए त्याज्य है।

आपके लिए सभी रंगों में सुंदर एवं अति उत्तम रंग सफेद, हरा एवं गुलाबी रंग है। रंग लाल आपके लिए त्याज्य है।